मत्ती ईसोपदेश 9 : 18 - 25

एक धार्मिक अधिकारी यीशु के पास आया और उसने कहा "मेरी पुत्री का अभी देहांत हुआ है; परन्तु चलकर अपना हाथ उस पर रख दें, तो वह जीवित हो जाएगी।" यीशु और उनके अनुयायी उस आदमी के घर की तरफ चल पड़े।

रास्ते में, एक स्त्री जिसे के 12वर्ष से रक्तस्राव होता था, उसने पीछे से आकर उनके लबादे के किनारी को छू लिया। क्योंकि वह अपने मन में कहती थी "कि यदि मैं उनके वस्त्र को ही छू सकी, तो मैं अच्छी हो जाऊंगी।" यीशु ने उसे देखा, और उससे से कहा "हौसला रखो, तेरे विश्वास ने तुझे अच्छा किया है।" और उसी क्षण अच्छी हो गई।

जब यीशु उस अधिकारी के घर पहुंचे और बांसुरी बजानेवालों और शोक मनाने वाले लोगों से कहा, "यहाँ से हट जाओ; यह छोटी लड़की मरी नहीं है, गेसो रही है।" शोक मनाने वाले उन पर हंसने लगे। परन्तु जब शोकाकुल लोग घर से बाहर चले गए, तो उस ने भीतर जाकर लड़की का हाथ पकड़ा, और वह उठ खड़ी हुई।